

## बृजधाम की धरती हो जीवन का गुज़ारा हो

बृजधाम की धरती हो, जीवन का गुज़ारा हो,  
युगल चरणं सिर पर, बस एक सहारा हो,  
बृजधाम की धरती हो.....

बस ईक ही सपना है,  
पागल बन तेरा नाम ही जपनां है,  
बृजधाम की धरती हो.....

सपनों में युगल चरणं,  
चरणों का सहारा ले बिते जीवन मेरा ये,  
बृजधाम की धरती हो.....

जैसे नाम में नामी है, धसका धस्सकर के,  
नाम रसका पागल बनूं,  
बृजधाम की धरती हो.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28560/title/brajdham-ki-dharti-ho-jivan-ka-guzara-ho>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |